15 AUGUST SPEECH

गुड मोर्निंग दोस्तों। माननीय प्रिंसिपल सर, आदरणीय शिक्षको और मेरे प्यारे साथियों आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएं। आज भारत के लिए एक उत्सव का दिन है। आज हम हमारे देश की आजादी का 73 वा साल मना रहे हैं। इस जश्न में शामिल होने आज हम सब स्कूल में एकत्रित हुए हैं। आज देश का कोना कोना और हर एक शख्स भारत माता की जय का जयकारा जरुर लगा रहा है। हर स्कूल अपने प्रांगन में इस दिवस को सांस्कृतिक कार्यक्रमो के साथ मना रहा है। इस दिन को सभी बड़े ही जोश के साथ मनाते हैं और इसके पीछे का कारण है देश और मात्रभूमि की लिए उनका प्रेम। ये आजादी हमको एक दिन में नही मिली। इसे पाने के पीछे एक लम्बा संघर्ष है जिसमे न जाने कितने क्रतिकरियो ने अपने जीवन का बलिदान दिया। आज हम जिस धरती पर जीवित हैं और चैन की ज़िन्दगी जी रहे हैं इसके पीछे हमारे कई महापुरषों का बलिदान है। उन्होंने आज़ादी के लिए कई यातनाएं झेली, कितनी ही राते वो नही सोए और न जाने कितने दर्दनाक और खतरनाक संघर्ष किए।

आजादी वो तोहफा है जो हमें उन महा महापुरषों ने दिया है इसलिए ये हमारा परम कर्तव्य हैं कि हम देश को उन्नति की और ले जाए और हमारी आने वाली पीढ़ी को एक शशक्त देश प्रदान करे।

माननीय प्राचार्य महोदय, आदरणीय शिक्षको और प्यारे साथियों आपको सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना। हम सब उन महापुरषों के ऋणी हैं जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए न जाने कितनी यातनाएं झेली और अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनके इसी बलिदान की वजह से आज हम और आप सुकून की ज़िन्दगी जी रहे हैं। आजादी वो उपहार हैं जो उन्होंने हमे और हमारी आने वाली पीढ़ी को दी है। भारत आज हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है चाहे वो सैन्य शक्ति हो, कृषि क्षेत्र हो या तकनीकी क्षेत्र हो। आज भारत का दुनिया भर में एक रुतबा है। आज कोई भी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हो भारत उसमें एक अहम् भूमिका निभाता है। आजादी से लेकर आज के दिन तक भारत ने बहुत प्रगति की है और आगे भी तेजी से बढता रहेगा। आज हम उन सभी क्रांतिकारियों और नेताओ जैसे बाल गंगाधर तिलक, भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस, गाँधी जी आदि को प्रणाम करते हैं जिन्होंने एक मुक्त भारत देश का सपना देखा और उसे पूरा भी किया। हमे भी चाहिए कि उनके द्वारा किए गए बलिदानों को समझे और देश को और आज की पीढ़ी को सही राह पर ले जाए और देश के विकास में अपना पूर्ण योगदान दें।

।

माननीय प्रिंसिपल सर, आदरणीय शिक्षको और मेरे प्यारे साथियों आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बहुत बहुत शुभकामना। आज मैं आपके सामने गर्व से खड़े होकर स्वतंत्रता दिवस के विषय में अपने विचार रखना चाहता हूँ। गुलामी वो अभिशाप है जिसे हमारे पूर्वजो ने झेला है। अंग्रेजो के अत्याचारों को सहा है। अपनी ही धरती पर गुलामो का जीवन जिया है । तब हमारे क्रातिकारी भाइयो ने आजाद देश का सपना देखा और इस सपने को साकार करने में भारत के कई लोगो को शामिल किया। धीरे धीरे ये सपना एक का नही बल्कि सभी भारतवासियों का सपना बन गया। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अंग्रेजो का

अपनी अपनी तरह से विरोध करना शुरू कर दिया। इस विरोध के चलते उन्होंने भयावह पीड़ा और दुःख झेले लेकिन अपनी राह से पीछे नही हटे। उनके अदम्य प्रयासों का ही नतीजा है कि आज हम स्वतंत्र है और आजादी से अपने देश में अपनी मर्जी से जी रहे हैं।

दोस्तों आज हमे उनके द्वारा किए गए प्रयासों का और त्याग का सम्मान करके देश को आगे ऊंचाईयो की और ले जाना चाहिए और हम सभी को इसके विकास में अपना पूर्ण सहयोग देना चाहिए। जिस तरह हमारे पूर्वजो ने हमारे लिए काम किया, हमे भी आने वाले पीढ़ी को एक विकसित और उन्नत देश देने का प्रयास करना चाहिए।

जय हिन्द

सुप्रभात, आदरणीय प्राचार्य महोदय, शिक्षकगण और मेरे प्यारे साथियों आज हम यहाँ पर 73 वे स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए इकठ्ठा हुए हैं। ये शुभ दिन हमारी ज़िन्दगी में 15 अगस्त 1947 को आया। इस दिन स्वतंत्रता का एक नया अध्याय शुरू हुआ। हमारे क्रांतिकारियों और हमारे नेताओ के अथक प्रयासो का ही नतीजा है कि आज हम अंगेजो के गुलाम नही हैं बल्कि एक आजाद देश हैं। इस आजादी के पीछे इतिहास है।

हमारे क्रांतिकारियों के बलिदानों और अनगिनत संघर्ष की बदोलत आज हम एक मजबूत देश के निवासी हैं। आज इस पावन दिन में हम उनके संघर्ष के लिए उनको प्रणाम करते हैं। हमारा स्वर्णिम इतिहास इस बात का साक्षी हैं कि कैसे हमारे सैकड़ो स्वंतंत्रता प्रेमियों, देश भक्तो और नेताओ जैसे सुभाष चन्द्र बोस, चन्द्र शेखर आज़ाद, भगत सिंह आदि नेताओ ने अंग्रेजो के अत्याचार सहे और उनके कर्मठ प्रयासों के कारण ही अंग्रेज भारत छोड़ने पर मजबूर हो गए। आज भी भी कोई आपसे में लड़ाई करता है उसे हम महात्मा गाँधी द्वारा अपनए गए रास्ते, अहिंसा का पालन करने को कहते हैं। हम उन्हें बताते हैं कि कैसे उन्होंने बिना हाथ उठाए अंग्रेजो को भारत से भाग दिया और देश को आजादी दिलाई। इसी तरह हमारा देश आगे बढ़ता रहे, इसी कामना के साथ मैं अपना भाषण समाप्त करता हूँ।

जय हिन्द

माननीय प्रिंसिपल सर, आदरणीय शिक्षको और मेरे प्यारे साथियों आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बहुत बहुत शुभकामना। आज हम सब यहाँ पर आज स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। आज 15 अगस्त है। इसी दिन हमे एक लम्बे संघर्ष के बाद आजादी मिली थी। ये दिन हमारे लिए उत्साव से भी बढकर है। गुलामी एक अभिशाप है जिसे हमारे पूर्वजो ने झेला है। उन्होंने सालो तक पीड़ा सही, अंग्रेजो के अत्याचार सहे और अपनी ही धरती पर गुलामी की ज़िन्दगी बिताई। क्रूर अंग्रेज भारत में कई सालो तक रहे। उन्होंने न सिर्फ हमको गुलाम बनाया साथ ही देशवासियों के बीच भेदभाव का बीज भी बो दिया।

हमारे पूर्वजो ने देश को आजाद कराने का सपना देखा और इस सपने को साकार करने में अपना जी जान लगा दिया। हमारे क्रन्तिकारी भाइयो जैसे भगत सिंह , चंद्रशेखर आजाद ने अंग्रेजो का विरोध किया और अंग्रेजो को दिखा दिया कि जब भी इस देश को हमारी जरुरत पड़ेगी हम उसके साथ हैं।

गाँधी जी ने अंग्रेजो का विरोध करने के लिए अहिंसा को अपना हथियार बनाया। आज भी उनके बताए रास्ते और आदर्शो को अपनाने की बात की जाती है।

गुलाम भारत को आजाद भारत बनाने में लाखो लोगो ने बलिदान दिया और इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम भारत देश के विकास में पूर्ण सहयोग दें।

जय हिन्द

माननीय प्रिंसिपल सर, आदरणीय शिक्षको और मेरे प्यारे साथियों आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बहुत बहुत शुभकामना। दोस्तों आज हम सब हर्ष उल्लास के साथ 15 अगस्त मना रहे हैं। आज के दिन हम सभी उन क्रांतिकारियों और नेताओ को याद करने के लिए इक्कठा हुए हैं जिन्होंने हमे आजादी दिलाने के लिए बलिदान दिया। आज हम इस आजाद भारत में सांस उन्हें की वजह से ले रहे हैं। जब अंग्रेजो का राज था तब भारतीयों को न अच्छे कपडे पहनने का हक़ था और न ही अच्छा खान खाने का और न ही अच्छी शिक्षा पाने का। वो भारतीयों को निम्न जाती का मानते थे।वो अपने ही देश में एक सामान्य जीवन नही जी पा रहे थे। आज हम उन नेताओ के आभारी हैं जिन्होंने हमे इन तानाशाह अंग्रेजो से मुक्ति दिलाई। सुभाष चन्द्र बोस जी, गाँधी जी, चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह, बाल गंगाधर तिलक हमारे वो स्वतंत्रता सेनानी हैं जिन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ दाव पर लगा दिया, अपने प्राण भी। जबसे भारत आजाद हुआ, हम तेजी से प्रगति की और बढ़ रहे हैं। भारत अब एक विकासशील और लोकतंत्र देश हैं। गाँधी जी आजादी की लड़ाई के प्रमुख नेता थे। उन्होंने देश वासियों को शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाया। आज भी हम उनके इन आदर्शो का पालन करने के लिए प्रयासरत हैं और प्रयासरत रहेंगे।

जय हिंद

माननीय प्रिंसिपल सर, आदरणीय शिक्षको और मेरे प्यारे साथियों आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बहुत बहुत शुभकामना।15 अगस्त वो दिन है जो सिर्फ एक धर्म के लिए नही बल्कि पूरे देश के लिए एक उत्सव का दिन है। इस दिन पूरे देश में हम अपने आजाद होने का जश्न मनाते हैं। देश की आजादी में भगत सिंह, चन्द्रशेखर आज़ाद जैसे कई अन्य युवाओ का भी योगदान है। उन्होंने उस समय के युवाओ को देश की आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। गांधीजी वो नेता है जिसने हमारे देश को आजाद करना में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके देश वासियों को अहिंसा का पाठ पढ़ाया और इस राह पर चलकर देश को आज़ाद कराने की रुपरेखा रची। उनके बातो से लोग इतने प्रभावित हुए कि वो भी उनके आदर्शो पर चलने लगे। आज भी कई लोग उन आदर्शो को अपनाकर अपना जीवन जीते हैं। भारत को

हम भारत माता पुकारते हैं और हम अपने आप को उनकी संतान मानते हैं, इसीलिए ये हमारा परम कर्तव्य हैं कि हम इस देश के विकास में अपना योगदान दें और इस धरती को दुश्मनों से बचाए। देश को महाशक्ति बनाना हमारा ध्येय होना चाहिए।

इस राह में हम बढते आए हैं और बढते जाएंगे।

जय हिन्द

आदरणीय प्रिंसिपल, शिक्षकगण और मेरे साथियों आप सभी को आजादी के दिन की शुभकामनाएं।

आज हम सभी यहाँ पर आजादी के पर्व को मनाने के लिए इक्कट्ठा हुए हैं। आज वो शुभ दिन है जो सभी देशवासियों के लिए किसी उत्सव से कम नही है। देशभर में हम आज आजादी की 73वीं वर्षगांठ मना आ रहे हैं। आज हम इस पावन अवसर पर जगह जगह राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और साथ ही हम उन देश भक्तो को याद करते हैं जिन्होंने एक लम्बे संघर्ष के बाद हमे अंग्रेजो से आजादी दिलाई। आज हमे अपने भारतीय होने पर गर्व हो रहा है। आज के दिन को हम स्वंतंत्रता दिवस के रूप में मनाते हैं क्योकि 15 अगस्त 1947 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना था। भारत वासी पर अंग्रेजो ने कम से कम 200 साल राज किया और इन सालो में भारतीयों पर अनगिनत अत्याचार किए और हमे हमारे ही देश में गुलाम बनाकर रखा। न हमे अच्छे कपडे पहननी की आजादी थी और न ही शिक्षा ग्रहण करनी की इजाजत। कितने अत्याचार और यातनाएं झेलने के बाद जब देश वासियों ने आजाद भारत का सपना देखा तो सबने मिलकर इस सपने को साकार किया। भगत सिंह जैसे क्रन्तिकारी से लेकर गाँधी जैसे अहिंसा वादी नेता सभी ने देश को अंग्रेजो के चुंगल से आजादी दिलाने के लिए अपना सब कुछ दाव पर लगा दिया। इतनी मुश्किलों से मिली आजादी को हमे संभालकर रखना है और देश की विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने से पीछे नही हटना है।

जय हिन्द

माननीय प्रिंसिपल सर, आदरणीय शिक्षको और मेरे प्यारे साथियों आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बहुत बहुत शुभकामना। दोस्तों आज हम सब यहाँ पर उस दिन जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं जिस दिन हमने ब्रिटिश साम्राज्य को भारत से उखाड़ फेका था और भारत को आजादी दिलाई थी। आजादी से पहले भारत वासियों ने 200 साल तक अंग्रेजो के जुल्म सहे। क्रांतिकारियों, नेताओ और देश वासियों की एक लम्बी लड़ाई के बाद 15 अगस्त को हमे आजादी मिली थी। आज भारत में विविधता में एकता देखी जा सकती है। हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हमारे देश में भगत सिंह, चन्त्रिशेखर आजाद जैसे देशभक्त और गाँधी जी और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे नेता हुए है जिनके संघर्ष और बलिदानों की वजह से आज हम आजाद भारत में साँस ले रहे हैं। वो भारत के वो सुपुत थे जिनका मकसद सिर्फ देश के लिए जीना और देश के मरना था, इसलिए जब देश को आजाद कराने की लड़ाई शुरू हुई उन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उन्होंने अपने न अपने जीवन की परवाह की और न ही अपने परिवार की, उनके लिए देश के आगे कुछ न था।

हम भारतवासी उनके बलिदानों को कभी भी भुला नही सकते। आज के दिन उस हर स्वतंत्रता सेनानी का नाम लेकर उनको याद नही कर पाएंगे लेकिन हम सभी आज उनको श्रधापुर्वक श्रन्धंजली देते हैं।

जय हिन्द

आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय, आदरणीय शिक्षकगण और प्यारे साथियों, आज हम यहाँ पर स्वतंत्रता दिवस के शुभ मौके पर एकत्रित हुए हैं। आज मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है कि मुझे इस मौके पर 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के विषय में बोलने का मौका मिल रहा है।

आज का दिन वो ऐतिहासिक पर्व है जब हम आजादी का 73 वा साल मना रहे हैं। आज ही के दिन भारत को अपनी आजादी की पहचान मिली। अंग्रेज व्यापार के लिए भारत आए लेकिन यहाँ की सम्पन्नता देखकर उनको लालच आया और उन्होंने भारत को अपने अपने कब्जे में करना शुरू कर दिया। अंग्रेजो ने भारतवासियों की कमजोरियों का फायदा उठाया और भारत पर 200 साल शासन किया। हमारे वीरो ने कई लड़ाइयाँ की और अंग्रेजो का विरोध किया। सालो की जदोजहद के बाद 15 अगस्त 1947 भारत ने गुलामी की जंजीरे तोड़ी और देश आजाद हुआ। इसी आजादी के जश्न को मनाने के लिए हर साल हम ये दिन धूम धाम से मनाते हैं। इस दिन लाल किले पर हमारे प्रधानमंत्री जी झंडा फ़हराता है और देश की जनता को संबोधित करते है और उसके बाद रंगा-रंग कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

सिर्फ दिल्ली ही नही बल्कि पूरे देश में सरकारी कार्यालयों, स्कूलो में भी ये दिन मनाया जाता है। स्कूल में सबसे पहले झंडा वंदन होता है और उसके बाद बच्चे देश को समर्पित कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं।

आज हम प्रण लेते है कि भारत के विकास में और इसे महाशक्तिमान बनाने के लिए हम अपना पूर्ण योगदान देंगे।

जय हिन्द